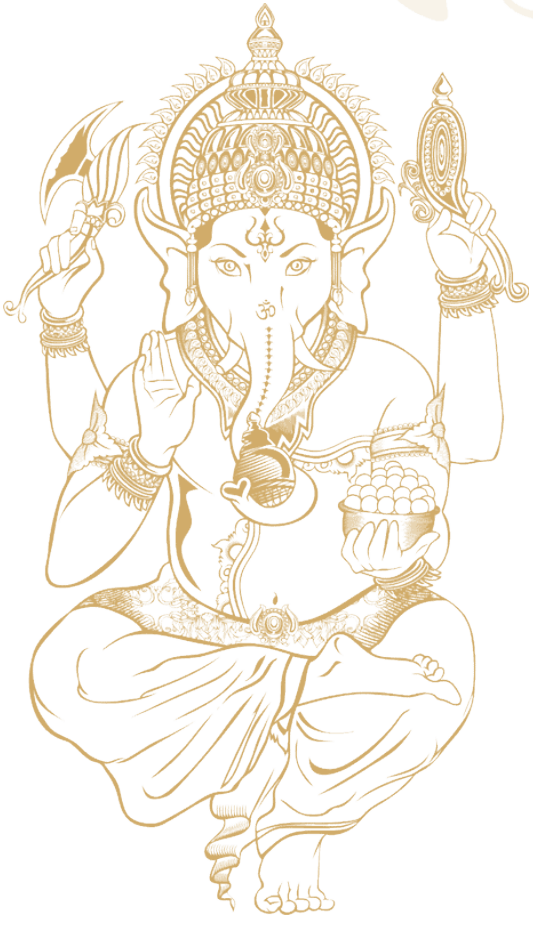

Lakshya jaiswal

23 Mar 2022

08:15 PM

Purnea

Model: web-freekundliweb

Order No: 121716906

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/03/2022**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**20:15:00 घंटे**
इष्ट	36:24:10 घटी
स्थान	**Purnea**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:47:00 उत्तर
रेखांश	87:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:35:04 घंटे
वेलान्तर	-00:06:37 घंटे
साम्पातिक काल	08:39:21 घंटे
सूर्योदय	05:41:19 घंटे
सूर्यास्त	17:52:14 घंटे
दिनमान	12:10:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	08:46:52 मीन
लग्न के अंश	11:22:46 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	सिद्धि
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नो-नौनिहाल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:22:46	316:32:12	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			मीन	08:46:52	00:59:31	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	17:28:46	14:08:34	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	नीच राशि
मंगल			मक	18:50:30	00:45:10	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	उच्च राशि
बुध		अ	कुंभ	28:52:08	01:50:22	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	सम राशि
गुरु			कुंभ	25:09:02	00:14:18	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	सम राशि
शुक्र			मक	22:15:13	01:00:37	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मक	27:04:19	00:05:58	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	स्वराशि
राहु			मेष	29:30:30	00:01:11	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
केतु			तुला	29:30:30	00:01:11	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	चंद्र	सम राशि
हर्ष			मेष	18:18:44	00:02:51	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	---
नेप			कुंभ	29:05:33	00:02:15	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	---
प्लूटो			मक	04:06:19	00:01:03	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
दशम भाव			कर्क	13:16:02	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:09:49

लग्न-चलित

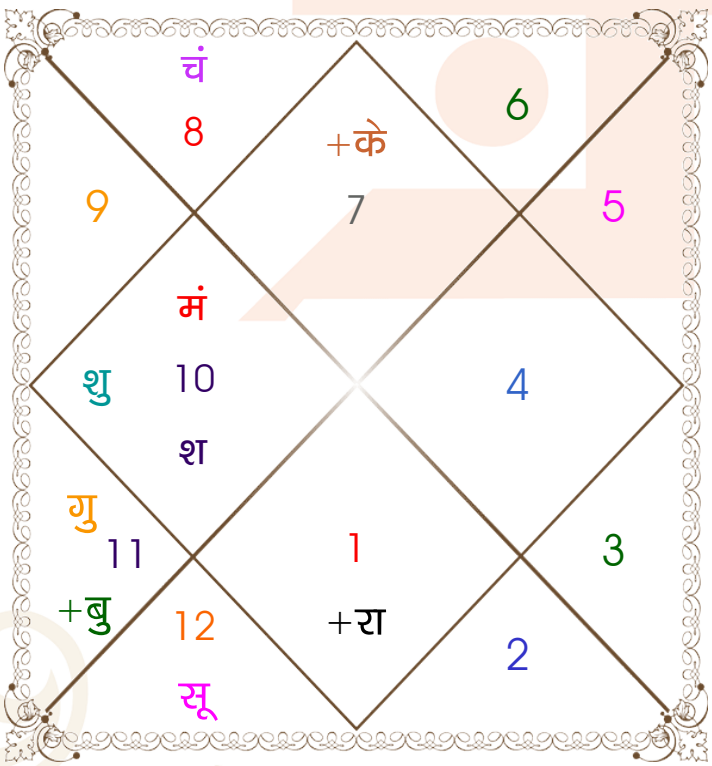

चन्द्र कुंडली

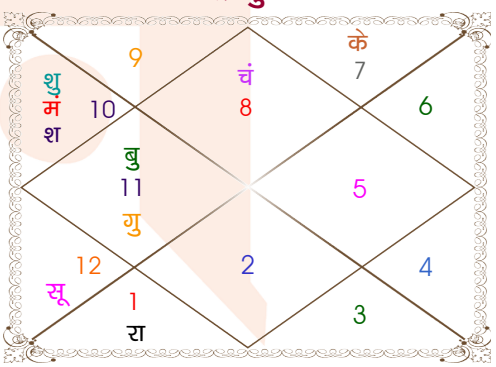

नवमांश कुंडली

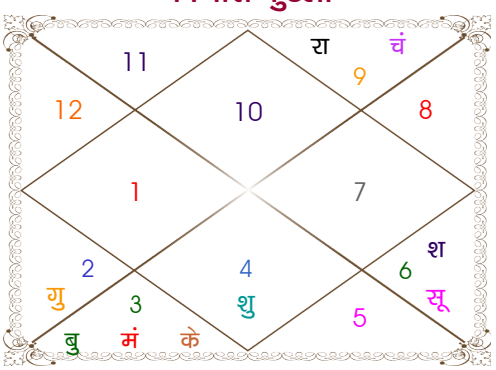

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 15 वर्ष 11 मास 17 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
23/03/2022		10/03/2038		10/03/2045		10/03/2065		10/03/2071	
10/03/2038		10/03/2045		10/03/2065		10/03/2071		10/03/2081	
बुध	07/08/2023	केतु	06/08/2038	शुक्र	09/07/2048	सूर्य	27/06/2065	चंद्र	09/01/2072
केतु	03/08/2024	शुक्र	06/10/2039	सूर्य	10/07/2049	चंद्र	27/12/2065	मंगल	09/08/2072
शुक्र	04/06/2027	सूर्य	11/02/2040	चंद्र	10/03/2051	मंगल	04/05/2066	राहु	08/02/2074
सूर्य	09/04/2028	चंद्र	11/09/2040	मंगल	10/05/2052	राहु	29/03/2067	गुरु	10/06/2075
चंद्र	09/09/2029	मंगल	07/02/2041	राहु	10/05/2055	गुरु	15/01/2068	शनि	08/01/2077
मंगल	06/09/2030	राहु	26/02/2042	गुरु	08/01/2058	शनि	27/12/2068	बुध	09/06/2078
राहु	25/03/2033	गुरु	02/02/2043	शनि	10/03/2061	बुध	02/11/2069	केतु	09/01/2079
गुरु	01/07/2035	शनि	13/03/2044	बुध	09/01/2064	केतु	10/03/2070	शुक्र	08/09/2080
शनि	10/03/2038	बुध	10/03/2045	केतु	10/03/2065	शुक्र	10/03/2071	सूर्य	10/03/2081

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
10/03/2081		10/03/2088		11/03/2106		11/03/2122		11/03/2141	
10/03/2088		11/03/2106		11/03/2122		11/03/2141		00/00/0000	
मंगल	06/08/2081	राहु	21/11/2090	गुरु	28/04/2108	शनि	14/03/2125	बुध	24/03/2142
राहु	25/08/2082	गुरु	15/04/2093	शनि	10/11/2110	बुध	22/11/2127		00/00/0000
गुरु	31/07/2083	शनि	20/02/2096	बुध	15/02/2113	केतु	31/12/2128		00/00/0000
शनि	08/09/2084	बुध	09/09/2098	केतु	21/01/2114	शुक्र	02/03/2132		00/00/0000
बुध	05/09/2085	केतु	27/09/2099	शुक्र	21/09/2116	सूर्य	12/02/2133		00/00/0000
केतु	02/02/2086	शुक्र	28/09/2102	सूर्य	11/07/2117	चंद्र	13/09/2134		00/00/0000
शुक्र	04/04/2087	सूर्य	23/08/2103	चंद्र	10/11/2118	मंगल	23/10/2135		00/00/0000
सूर्य	10/08/2087	चंद्र	21/02/2105	मंगल	17/10/2119	राहु	29/08/2138		00/00/0000
चंद्र	10/03/2088	मंगल	11/03/2106	राहु	11/03/2122	गुरु	11/03/2141		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 15 वर्ष 11 मा 17 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।